सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, मंगलवार, 13 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 215, पृष्ठः 8+4

...चीन पर क्यों नहीं लगाई पेनल्टी ?

» Pg 12

इनसाइड बंद स्कूल में मिला चौकीदार का सिर कटा शव... » Pg 03

कानपुर के रीजेंसी हॉस्पिटल का कारनामा

सर्दी-जुकाम के इलाज के लिए वसूले 18 लाख

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। अच्छे इलाज का सपना दिखाकर मरीजों को एटीएम बनाकर पैसे वसूलने के मामले में कानपुर का बदनाम रीजेंसी अस्पताल एक बार फिर विवादों में है। सर्दी जुकाम से पीड़ित एक मरीज से 18 लाख रूपए वसूल लिए गए और जब उसकी मौत हो गई तो परिजनों को डेढ का बिल और थमा दिया गया। मामले में लंबी शिकायत प्रक्रिया के बाद रीजेंसी अस्पताल के खिलाफ जांच टीम गठित की गई है।

लखनऊ हाईकोर्ट के अधिवक्ता सौरभ नारायन ने बताया कि उनके ससुर गणेशचंद्र 64 वर्ष जीजीआईसी भौंती में प्रवक्ता पद से रिटायर्ड थे। उनको सर्दी, खांसी और जुकाम होने पर 16 दिसंबर 2024 को रीजेंसी अस्पताल में भर्ती करवाया था। उनका इलाज डा. निर्मल पांडेय और डा. एके सिंह की देखरेख में चल रहा था। बकौल पीडित, इलाज से आराम की जगह उनकी तबियत और खराब होती जा रही थी। 11 जनवरी 2025 को बताया गया कि उनकी प्लेटटस 30 हजार के करीब हैं। उस पर उनको ब्लड अरेंज करवाया गया।

» मरीज की मौत के बाद भी थमा दिया डेढ लाख का बिल

» कई बार शिकायत के बाद सीएमओ ने गठित की जांच कमेटी

12 जनवरी सुबह 11 बजे के आसपास डेथ हो गई, डेथ से पूर्व हुई जांच रिपोर्ट में प्लेटटस की संख्या 8 लाख से अधिक दिखाई गई। पीडित ने अस्पताल के चिकित्सकों पर आरोप लगाया इस तरह से असामान्य रिपोर्टस से पता चलता है इलाज में किस कदर लापरवाही बरती जा रही थी, सिर्फ पैसे ऐंठने के लिए तरह तरह की दवाईयां और टेस्टिंग के बिल बनाए गए। उनकी डेथ निमोनिया से बता दी गई। अस्पताल प्रबंधन ने बॉडी देने से पहले डेढ लाख का बिल और थमा दिया, इस पर उन लोगों ने आपत्ति की तो धमकी दी गई। फिर 112 को कॉल करके पुलिस को बुलाया गया तो बड़ी मुश्किल से 5 बजे शाम को शव दिया गया। पीडित ने बताया कि रीजेंसी अस्पताल संचालक इलाज की बजाय पैसें ऐठने में पूरा जोर लगाते हैं।

बिल मांगे तो बहुत परेशान किया

पीड़ित ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन से बिल मांगे तो कच्चे पर्चे थमा दिए गए लेकिन पक्के बिल लेने के लिए बहुत परेशान किया। जनसुनवाई में ऑनलाइन शिकायत की, इस पर बिल तो दे दिए लेकिन इलाज में लापरवाही बरतने के मामले में कोई जांच या कार्रवाई नहीं हुई। दोबारा अपील की गई तो डीएम के निर्देश पर सीएमओ डॉ. हरिदत्त नेमी ने जांच टीम गठित की। सीएमओ ने बताया कि आईजीआरएस शिकायत संख्या 60000250029127 के आधार पर जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की गई। उसी आधार पर कार्रवाई होगी।

विधायक सांगा भी उठा चुके हैं मुद्दा

विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने कुछ दिन पूर्व रीजेंसी अस्पताल की मनमानी और धनउगाही को लेकर शिकायत सीएम योगी से की थी, उस समय भी जांच के निर्देश दिए गए थे। बताया जाता है कि शिकायतों पर सही ढंग से कार्रवाई नहीं होने से जिम्मेदार बच जाते हैं। बीते साल यहां पर सीजीएचएस में धांधली की शिकायत पर कार्रवाई हुई थी लेकिन मामला 'गांधी जी' की कृपा से निपटा दिया गया था।

क्रूर साजिश दोनों को आपत्तिजनक हालात में देख लिया था, प्रेमी ने हत्याकर शव झाड़ियों में फेंका

मां ने प्रेमी से करवाया बेटे की हत्या, बन रहा था राह में रोड़ा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाराणसी। वाराणसी के रामनगर थाना क्षेत्र में एक ऐसी घटना ने लोगों को झकझोर कर रख दिया, जहां एक मां ने अपने प्रेमी के साथ आपत्तिजनक स्थिति देख लेने वाले 10 साल के मासूम बेटे को रास्ते से हटाने के लिए उसकी हत्या करवा दी। हत्या को अपहरण का रंग देने के लिए मां ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन पुलिस की तफ्तीश ने इस क्रूर साजिश का पर्दाफाश कर दिया।

घटना का खुलासा-मां और प्रेमी की साजिश : रामनगर के मच्छरहट्टा इलाके की रहने वाली सोना शर्मा के पति की दो साल पहले एक हादसे में मौत हो गई थी। इसके बाद सोना का गोलाघाट निवासी फैजान के साथ प्रेम संबंध शुरू हो गया। तीन दिन पहले सोना का 10 वर्षीय बेटा सूरज शर्मा ने मां और फैजान को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। सूरज ने इस बात को दूसरों को बताने की धमकी दी, जिसके बाद फैजान ने उसे रास्ते से हटाने की ठान ली। सोमवार शाम को फैजान ने सूरज को बहाने से बावन बीघा मैदान में ले जाकर अपने दोस्त राशिद के साथ मिलकर उसका गला दबाकर हत्या कर दी। शव को झाड़ियों में छिपाने के बाद मां ने रात डेढ़ बजे थाने में बेटे के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई, ताकि हत्या का शक न जाए।

पुलिस की तत्परता से सुलझी गुत्थी : रामनगर पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से पुलिस ने फैजान पर शक गहराया। मंगलवार देर रात बावन बीघा मैदान में सूरज का शव बरामद हुआ। पूछताछ में उसकी संलिप्तता भी सामने आई। पुलिस ने सोना, फैजान और राशिद को हिरासत में ले लिया। घटनास्थल की तस्दीक के लिए पुलिस फैजान और राशिद को बावन बीघा ले गई। इसी दौरान फैजान ने पुलिस से पिस्टल छीनकर फायरिंग की और भागने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जिसमें फैजान के पैर में गोली लगी। उसे काबू कर लिया गया।

कानपुर में धम्म कल्याण केंद्र में पूर्व राष्ट्रपति कोविन्द की साधना यात्रा

प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। महाराजपुर के ड्योढ़ीघाट स्थित गंगा किनारे अंतरराष्ट्रीय धम्म कल्याण केंद्र में मंगलवार को पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द पहुंचे। सुबह लगभग 10 बजे पहुंचे कोविन्द करीब ढाई घंटे केंद्र में रहे। इस दौरान केंद्र के ट्रस्टी अशोक साहू ने बुके और अंगवस्त्र देकर उनका स्वागत किया। केंद्र के आचार्य एम.एल. शंखवार ने उन्हें साधकों के लिए संचालित विभिन्न शिविरों और विपश्यना साधना की बारीकियों की जानकारी दी।

» गंगा किनारे ड्योढ़ीघाट में बिताए ढाई घंटे, एक घंटे की विपश्यना साधना

» म्यांमार की कला और संस्कृति से सजे केंद्र की ली बारीकी से जानकारी

करीब एक घंटे तक साधना कक्ष में ध्यानमग्न रहने के बाद कोविन्द ने साधकों और केंद्र से जुड़े लोगों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि केंद्र विपश्यना साधना के माध्यम से लोगों को जीवन का मर्म सिखा रहा है, जो मानसिक शांति और आत्मसंयम के लिए आवश्यक है। जलपान के बाद वे सर्किट हाउस के लिए रवाना हो गए। उनके साथ स्वामीनारायण ट्रस्ट के सदस्य भी थे। ट्रस्टी अशोक साहू ने बताया कि केंद्र में म्यांमार की कला और संस्कृति को आत्मसात किया गया है। यहां बना गोल्डन स्तूप अंतरिक्ष से ऊर्जा खींचकर साधकों को आध्यात्मिक शक्ति प्रदान करता है।

साधक छोटे-छोटे कमरों में बैठकर बाहरी दुनिया से पूरी तरह कटकर साधना करते हैं। पंचशील का पालन करते हुए यह साधना व्यक्ति के मन को वश में करने में सहायक होती है।

धम्म केंद्र का यह भी गौरव रहा है कि वर्ष 2014 में राम नाथ कोविन्द यहां एक दिन की साधना कर चुके हैं। वर्ष 2019 में राष्ट्रपति रहते हुए उन्होंने पुरुष साधकों के लिए बने नवनिर्मित ब्लॉक का उद्घाटन किया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि उनकी इस बार की यात्रा से केंद्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और पहचान मिलेगी।

बिधनू में केमिकल टैंकर का वाल्व फटा, हाईवे पर मची भगदड़ और जाम

» डीजल खत्म होने पर बीच सड़क खड़ा हुआ टैंकर, डंपर से धक्का देते ही शुरू हुआ रिसाव

» तेजाब जैसा खतरनाक केमिकल फैला, पुलिस ने घंटों मशक्कत के बाद किया रास्ता साफ

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। बिधनू थाना क्षेत्र के कठेरुआ गांव में काठारा मोड़ के पास मंगलवार दोपहर हाईवे पर अफरातफरी का माहौल बन गया। घाटमपुर की ओर जा रहा केमिकल लदा टैंकर अचानक डीजल खत्म हो जाने से बीच सड़क पर खड़ा हो गया। इससे यातायात धीमा हुआ तो चालक ने टैंकर को किनारे करने के लिए एक डंपर से धक्का दिलवाया, लेकिन धक्का लगते ही टैंकर का वाल्व फट गया और उसमें भरा तेजाब जैसा खतरनाक केमिकल सड़क पर बहने लगा।

जैसे ही केमिकल सड़क पर फैला, पैदल यात्री और बाइक सवार दूर-दूर भागने लगे। तेज बदबू और छींटों के डर से लोग इधर-उधर छिटक गए।

ग्रामीणों के मुताबिक यह केमिकल भले ज्वलनशील न हो, लेकिन इसके संपर्क में आने पर त्वचा झुलस सकती है। कुछ ही मिनटों में केमिकल की धार कई मीटर तक फैल गई और हाईवे पर दोनों तरफ भारी वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे जाम की स्थिति बन गई।

मौके पर मौजूद लोग टैंकर चालक को ढूंढते रह गए, लेकिन वह लीक शुरू होते ही मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर बिधनू पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सबसे पहले रिसाव रोकने के लिए टैंकर के वाल्व को बंद कराया गया।

इसके बाद टैंकर को किनारे खड़ा किया गया और हाईवे पर फैले केमिकल को पानी से धोकर साफ कराया गया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद यातायात दोबारा बहाल हो सका। पुलिस ने टैंकर मालिक को सूचना देकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय पर रिसाव न रोका जाता तो यह बड़ा हादसा बन सकता था।

सनसनी

कानपुर में खौफनाक वारदात

बंद स्कूल में मिला चौकीदार का सिर कटा शव, इलाके में दहशत

डेढ़ महीने पहले मिली थी नौकरी, कई दिनों से लापता

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। श्याम नगर में बुधवार सुबह एक ऐसी वारदात सामने आई जिसने पूरे इलाके को सन्न कर दिया। बंद पड़े मैरी जीसस स्कूल के अंदर 60 वर्षीय चौकीदार राम प्रसाद का क्षत-विक्षत शव मिला—धड़ चारपाई पर और सिर धड़ से अलग होकर जमीन पर पड़ा था। कई दिन पुराना शव सड़-गल चुका था, जिससे उठ रही बदबू पूरे मोहल्ले में फैल गई और लोग दहशत में घरों से बाहर निकल आए।

राम प्रसाद, गोविंदनगर के 11 ब्लॉक का निवासी था। पहले पुताई का काम करता था, लेकिन उम्र और बेरोजगारी के चलते करीब डेढ़ महीने पहले दोस्त गंगा सिंह के जरिए यहां चौकीदारी करने लगा था।

वह कभी-कभी ही घर आता था और पिछले कई दिनों से उसका कोई अता-पता नहीं था। शव की पहचान होते ही परिजनों ने मौके पर हत्या की आशंका जताकर हंगामा कर दिया।

केयरटेकर ने खोला मौत का दरवाजा

स्कूल के केयरटेकर अमित सिंह ने बताया कि आखिरी बार 28 जुलाई को राम प्रसाद से मुलाकात हुई थी। 8 अगस्त को खर्चा देने आए तो दरवाजा बंद मिला। मंगलवार रात फिर आए, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। बुधवार सुबह आवाज लगाने के बावजूद चुप्पी बनी रही, तो वह बाउंड्री फांदकर अंदर गए—जहां सामने था सिर कटा शव, और रौंगटे खड़े कर देने वाला मंजर।

एक साल से बंद पड़ा स्कूल

जानकारी के मुताबिक, यह स्कूल एक साल पहले उद्योगपति संजय कपूर ने खरीदा था और तब से बंद था। मौके पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।चकेरी थाना प्रभारी संतोष कुमार शुक्ला ने बताया कि शव के अत्यधिक डिकंपोज होने के कारण संभव है सिर धड़ से अलग हो गया हो, लेकिन मौत की असल वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ होगी।

वक्फ बोर्ड दर्ज कराएगा मुकदमा, अधिवक्ता अखिलेश दुबे पर करोड़ों की संपत्ति कब्जाने का आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। वक्फ शेख फखरुद्दीन की करोड़ों रुपये की संपत्ति पर अवैध कब्जे के मामले में अधिवक्ता अखिलेश दुबे के खिलाफ अब वक्फ बोर्ड भी कानूनी कार्रवाई करेगा। सहायक सर्वे कमिश्नर वक्फ पवन सिंह ने ग्वालटोली थाने में मुकदमा दर्ज कराने के लिए पत्र भेजा है।शिकायत में आरोप है कि अखिलेश दुबे और राजेंद्र शुक्ला ने मिलकर गिरोह बनाकर इस वक्फ संपत्ति पर कब्जा किया। इस मामले में मुतवल्ली शेख आसिफ जाह ने पहले ही मुकदमा दर्ज कराने की गुहार लगाई थी।

वक्फ बोर्ड का कहना है कि यह संपत्ति धार्मिक और सार्वजनिक उपयोग के लिए है, जिस पर कब्जा करना गंभीर अपराध है। पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

बिल्हौर में बस स्टॉप बनाने की मांग तेज

अपना दल (एस) आया आगे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर विधानसभा में रोडवेज बस स्टॉप न होने की समस्या अब उबाल पर है। हाईवे से सरपट दौड़ती ज्यादातर रोडवेज बसें कस्बे को नजरअंदाज कर निकल जाती हैं, जिससे बुजुर्ग, महिलाएं, विद्यार्थी, व्यापारी और मरीज घंटों की मशक्कत के बाद बस पकड़ पाते हैं।

यात्रियों की इसी परेशानी को लेकर अपना दल (एस) के जिला अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने लखनऊ में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल और पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश कटियार से मुलाकात की। उन्होंने ज्ञापन देकर मांग की है कि चौबेपुर, शिवराजपुर, बिल्हौर और अरौल कस्बों से होकर बसों का संचालन हो और बिल्हौर तहसील मुख्यालय पर स्थायी बस डिपो व स्टॉपेज बनाया जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर बसें कस्बे से होकर गुजरेंगी, तो न सिर्फ यात्रियों को राहत मिलेगी बल्कि कस्बे का व्यापार और रोजगार भी रफ्तार पकड़ेंगे। जिला अध्यक्ष बबलू कटियार ने बताया कि बिल्हौर की जनता वर्षों से इस समस्या से जूझ रही है। बसें हाईवे से गुजर जाती हैं। मंत्री जी को अवगत कराया है, जिस पर मंत्री जी ने आश्वासन दिया है कि जल्द समस्या का समाधान होगा।

» जिला अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने लखनऊ जाकर मंत्री को सौंपा ज्ञापन

» बस स्टॉप बनने से कस्बे का व्यापार और रोजगार भी पकड़ेंगे रफ्तार

सैकड़ों बार उठी है बस स्टॉप बनवाने की मांग : बिल्हौर में रोडवेज बस स्टॉप की मांग नई नहीं है। पिछले कई वर्षों में स्थानीय लोग, व्यापारी संगठनों से लेकर जनप्रतिनिधि तक इस मुद्दे को बार-बार उठा चुके हैं। हर बार आश्वासन मिलता है, लेकिन जमीनी स्तर पर अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया। अब अपना दल इस मामले में कूदा है। उपाध्यक्ष एडवोकेट अमित श्रीवास्तव ने बताया कि मंत्री जी को ज्ञापन देकर उनके संज्ञान में डाल दिया है। जनता से जुड़ी इस समस्या का समाधान करवा कर ही मानेंगे। अब देखना यह है कि वर्षों पुरानी यह मांग कब सड़क से हकीकत के प्लेटफॉर्म तक पहुंचती है।

खुल गई पोल : कमालपुर गौशाला की बदहाली पर बवाल

वृहद गौशाला में अफसरों ने डाला डेरा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

शिवराजपुर,बिल्हौर(कानपुर)। शिवराजपुर विकासखंड के कमालपुर ग्राम पंचायत स्थित वृहद गौशाला में लापरवाही की चरम तस्वीर सामने आई है। करीब 400 गोवंशों के बीच भूख और प्यास से तड़पते पशुओं को देखकर मंगलवार को राष्ट्रीय बजरंग दल के महामंत्री अरविंद सेंगर और कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा।

उन्होंने मौके पर नारेबाजी कर जिला प्रशासन को गौशाला की बदहाली से अवगत कराया। पिछले तीन दिनों में आधा दर्जन गोवंशों की मौत और एक दर्जन से अधिक की गंभीर हालत ने अधिकारियों में हड़कंप मचा दिया। उधर उपजिलाधिकारी संजीव कुमार दीक्षित मौके पर पहुंचे और कई घंटे तक अपने सामने बिगड़ी व्यवस्था को दुरुस्त कराया। इस दौरान एसीपी अमरनाथ भी मौके पर पहुंचे।

» तड़पते पशुओं को देख बजरंग दल का गुस्सा फूट पड़ा

» कई गोवंशों की मौत व गंभीर स्थिति देख अफसरों में हड़कंप

डॉक्टरों की टीम को तुरंत उपचार में लगाया गया और हरे चारे की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बजरंग दल ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

गंगा स्नान बना हादसा नपं अध्यक्ष ने खोया बेटा

शिवराजपुर, बिल्हौर (कानपुर)। सरैयां खेरेश्वर घाट पर सोमवार दोपहर स्नान के दौरान फतेहपुर चौरासी नगर पंचायत अध्यक्ष मिथलेश जायसवाल का बड़ा बेटा हर्षित (19) गंगा की लहरों में समा गया। उसका दोस्त राघव (20) भी पानी में डूबने लगा, जिसे गोताखोरों ने बेहोशी की हालत में बाहर निकाला। दोनों को आनन-फानन में सीएचसी शिवराजपुर ले जाया गया, जहां हर्षित को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। राघव को हालत गंभीर होने पर हैलट अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, हर्षित अपने छोटे भाई मयंक और राघव के साथ दोपहर एक बजे घाट पर पहुंचा था। तेज बहाव में फंसकर हर्षित और राघव गहरे पानी में चले गए। मयंक, जो कपड़ों के पास घाट पर बैठा था, ने शोर मचाकर लोगों को बुलाया। गोताखोरों ने मशक्कत के बाद राघव और हर्षित को बाहर निकाला।

देशभक्ति के रंग में रंगा

पैदल यात्रा के दौरान नगर देशभक्ति के नारों से गूंज उठा

बिल्हौर नगर मंडल भाजपा की विशाल तिरंगा यात्रा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत संगठन के निर्देशानुसार मंगलवार को बिल्हौर नगर मंडल भाजपा ने बाबा कोतवालेश्वर मंदिर से लेकर बिल्हौर ब्लॉक परिसर तक विशाल तिरंगा यात्रा निकाली। पैदल यात्रा के दौरान नगर देशभक्ति के नारों से गूंज उठा।

तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष रामशरण कटियार, विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला महामंत्री डॉ. राजेंद्र कटियार और मंडल प्रभारी दीप्ति सिंह मौजूद रहीं। नगर मंडल अध्यक्ष पंडित सौरभ शर्मा ने अध्यक्षता करते हुए तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया।

तिरंगा यात्रा में कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बनता था। हाथों में लहराते तिरंगों के साथ सैकड़ों कार्यकर्ता और वरिष्ठ जन यात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर नगर महामंत्री रामकुमार, कार्यक्रम संयोजक राम प्रकाश शर्मा, उपाध्यक्ष स्वप्नेश तिवारी, युवा मोर्चा मंत्री मोंटी अवस्थी, अमित तिवारी, उपाध्यक्ष शिवम द्विवेदी, विशाल कश्यप, शिवा कांत तिवारी, विमलेश कटियार, सत्येंद्र वर्मा, ऋषि गुप्ता, निमित गुप्ता, गौरव शर्मा, नरेंद्र मिश्रा, डॉ. मेहराज समेत मंडल के सभी पदाधिकारी और सभी बूथ अध्यक्ष उपस्थित रहे।

बाबा कोतवालेश्वर मंदिर से लेकर बिल्हौर ब्लॉक परिसर तक तिरंगा यात्रा निकलाते भाजपाई।

सम्पादकीय

संतुलित व दीर्घकालिक दृष्टिकोण की जरूरत

यूं तो देश में आवारा कुत्तों के संकट को लेकर गाहे-बगाहे सवाल उठते रहे हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली के आवारा कुत्तों को लेकर आए सख्त निर्देश ने इस बहस को नया मोड़ दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार व स्थानीय निकायों से कहा है कि सभी आवारा कुत्तों को आठ सप्ताह के भीतर आश्रय स्थलों में स्थानांतरित किया जाए। हालांकि, समस्या की व्यावहारिक दिक्कतों को लेकर कई यक्ष प्रश्न हैं क्योंकि फिलहाल कुत्तों के लिये ऐसे आश्रय स्थल उपलब्ध नहीं हैं। निस्संदेह, जन सुरक्षा की चिंताएं अपनी जगह जायज हैं। बताते हैं कि दिल्ली में रोजाना 2000 तक कुत्ते के काटने की घटनाएं होती हैं। साथ ही रेबीज़ के मामले भी बढ़ रहे हैं। लेकिन इस बड़ी समस्या का समाधान सिर्फ प्रतिक्रियात्मक नहीं होना चाहिए। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल देशभर में कुत्तों के द्वारा काटने के बाइस लाख मामले सामने आए हैं। निस्संदेह, यह एक जटिल चुनौती है और इसके समाधान के लिये एक दीर्घकालिक, तार्किक व परामर्शी रणनीति की आवश्यकता है। इस अभियान में नगर निकाय, पशु चिकित्सक, पशु कल्याण से जुड़े संगठनों और स्थानीय लोगों की भागीदारी जरूरी है। निर्विवाद रूप से इस संकट के मूल में असली समस्या खराब शहरी नियोजन,पशु जन्म नियंत्रण यानी एबीसी तथा टीकाकरण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन से जुड़ी खामियों की है। देश के शहरों, कस्बों और गांवों के कूड़े के ढेर खुले बूचड़खानों के कचरे से भरे रहते हैं। जहां आवारा कुत्तों की आबादी फल-फूल रही है। नगर निकायों द्वारा वर्षों से चलाए जा रहे नसबंदी अभियान और रेबीज़-रोधी टीकाकरण अभियान इन आवारा कुत्तों की संख्या को कम करने में विफल रहे हैं। निर्विवाद रूप से इस मद के लिये पर्याप्त बजट न होना और कर्मचारियों की कमी इन प्रयासों में बाधा डालती रही है। इस बीच सड़कों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने को लेकर आए दिन टकराव देखा जाता रहा है।

दर्शाया गया है। यहां तक कि श्राद्ध के अवसर पर गाय, कौवे व कुत्ते के लिये अन्न ग्रास निकाला जाता है। सदियों से मनुष्य के अंग-संग कुत्ता रहा है। कहा जाता है कि पांडवों के स्वर्गारोहण के वक्त उनके साथ एक श्वान चला था। लेकिन आज शहरों में फ्लैट संस्कृति में पालतू जानवरों की भूमिका खत्म होने से वे सड़कों पर आ गए। यहां सवाल उनके आक्रामक होने पर भी हैं। दरअसल, आम लोग मांसाहारी भोजन के अवशेष कचरे में फेंक देते हैं, जिससे उनमें आक्रामकता आती है। वहीं जानवरों में असुरक्षाबोध भी उन्हें आक्रामक बना देता है।

देश में जरूरी सद्भाव की सोच का सम्मान

प्रदीप शर्मा

खेल में जीत के लिए निजी कौशल के साथ टीम भावना आवश्यक होती है। सौहार्द व एकजुटता यादगार भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ में देखने को मिली। जिसका प्रतीक था, प्रसिद्ध कृष्णा , मोहम्मद सिराज और शुभमन गिल जीत के बाद साथ-साथ...

खेल में जीत के लिए निजी कौशल के साथ टीम भावना आवश्यक होती है। सौहार्द व एकजुटता यादगार भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ में देखने को मिली। जिसका प्रतीक था, प्रसिद्ध कृष्णा , मोहम्मद सिराज और शुभमन गिल जीत के बाद साथ-साथ चलना। इसमें मोहम्मद सिराज का प्रदर्शन और जज्बा काबिले तारीफ हैं। हम साथ खेल सकते हैं, दुख-सुख बांट सकते हैं तो रह भी सकते हैं

खेल और युद्ध के बीच इस काफी जायज एवं विचारोत्तेजक समरूपता की खोज करते वक्त, हम खेल के एक अन्य बहुत बुनियादी पहलू को भूल जाते हैं। वो यह कि एक टीम के रूप में काम करने के लिए, वह जो जीत का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त कर ले, आपको निजी कौशल के साथ-साथ टीम भावना की भी उतनी ही आवश्यकता होती है, बार-बार दोहराया जाने वाला यह शब्द वास्तव में जीत और हार के बीच अंतर बना देता है। सामंजस्य, सद्भाव, एकजुटता और एक इकाई के रूप में खेलना, ये शब्द उस कट्टर संशयवादी को गूढ़ लग सकते हैं, जो एक ऐसी दुनिया में रमा हुआ है, जिसको वह केवल अपनी, अपनी संस्कृति और धर्म के लिए ही बनी मानता है। हालांकि, वास्तविक दुनिया में, चाहे वह खेल का मैदान हो या जीवन को कोई भी क्षेत्र, हमारा वजूद इसलिए है क्योंकि हम साथ-साथ रहते हैं और एक-दूजे पर किसी पहचान विशेष का चिन्ह देखकर नहीं, बल्कि इंसान के तौर पर निर्भर हैं।एकजुटता, सामंजस्य और सद्भाव की इस भावना को क्रिकेट जैसे खेल से ज्यादा बेहतर और कोई नहीं दर्शाता, और यह हमें हालिया भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ में देखने को मिली, जो खेल जगत का अस्तित्व कायम रहने तक याद रखी जाएगी। गोलीबारी विहीन इस 'युद्ध' में, जहां ऋषभ पंत पैर में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरे वहीं क्रिस वोक्स ने स्वेटर के तले अपने उतरे हुए कंधे को बांधकर, एक हाथ में बल्ला पकड़कर खेलने की हिम्मत दिखाई। कहा जाए तो, यह दोनों अपनी-अपनी टीमों के लिए मर-मिटने को तैयार थे। अत्यधिक शारीरिक दमखम की मांग करने वाली इस 25 दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में, एक शख्स, मोहम्मद सिराज, अपनी अद्भुत ऊर्जा, सहनशक्ति, लचीलेपन, दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास, अद्भुत कौशल एवं अपनी खेल कला पर नियंत्रण की वजह से सबसे अलग नज़र आए। जब भी भारत को स्थिति पर काबू बनाने की ज़रूरत होती, वह मौजूद थे। जब भी भारत को विकेटों की ज़रूरत होती, वह मौजूद थे। जब भी भारत को किसी जादू की ज़रूरत होती, वह मौजूद थे। तेज़ गेंदबाज़ी करने के लिए ताकत चाहिए होती है। और इस गति पर गेंद को स्विंग करने के लिए कौशल। लाइन और लेंथ पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए सालों-साल के अभ्यास की ज़रूरत होती है। और इन 25 दिनों में, जब आपके साथी ड्रेसिंग रूम में अपना-अपना शरीर संभालने को मजबूर थे, कुछ की हड्डियां चटखी पड़ी हों और कुछ की मांसपेशियों में खिंचाव हो, तब सिराज 'वन मैन आर्मी' की तरह खड़े रहे।

अपराधियों से पहले अफवाहों पर लगे अंकुश

ड्रोन की दहशत

रमेश ठाकुर

उ.प्र.शासन ने निर्णय लिया है कि ड्रोन के ज़रिए डर पैदा करने या ग़लत सूचना फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट और एनएसए के तहत कार्रवाई की जाएगी। लेकिन, शासकीय चेतावनी के बाद भी ड्रोन उड़ने की चर्चा लगातार जारी है।'ड्रोन गिरोह' की अफवाहों से कई राज्यों में दहशत की स्थिति बनी हुई है। प्रभावित दो-तीन राज्यों में कथित ड्रोन चोरों से लोग इतने भयभीत हैं कि रातों में जाग-जाग कर अपने घरों और परिजनों की पहरेदारी कर रहे हैं। डरे हुए लोग 'ड्रोन चोरों' को 'आसमानी चोर' कहने लगे हैं। आकाश में रात के वक्त सैकड़ों फुट ऊंचाई पर मंडराते कथित रहस्यमय ड्रोनों से सन्नाटा इस कदर फैला है कि पत्तों की सरसराहट या झींगुरों की भिनभिनाहट मात्र से भी लोग डर जाते हैं। बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस महकमा भी अलर्ट मोड पर है। रात में जायजा लेने को पुलिस-प्रशासन के आला अफसर भी ग्राउंड ज़ीरो पर उतरे हुए हैं।

दरअसल, अफवाह ग्रामीणों की नासमझी से ज्यादा फैल रही है। ड्रोन दिखाई पड़ने पर वह पुलिस से संपर्क करने के बजाय सोशल मीडिया पर अनाप-शनाप गलत सूचनाएं फैला देते हैं, जिससे स्थिति विकट हो रही है। हालांकि, ऐसे लोगों पर पुलिस सख्ती भी दिखा रही है।पिछले दो सालों से 'स्वामित्व योजना' के तहत केंद्र सरकार ग्रामीण भूमि का सर्वेक्षण भी ड्रोनों से करवा रही है। योजना मार्च-2026 तक पूरी होनी है। करीब 3 लाख 44 हजार गांवों का सर्वेक्षण होना है। इसके पीछे सरकार का मकसद ग्रामीण संपत्ति के मालिकों को उनकी संपत्ति का मास्टर कार्ड वितरण करना है। करीब 92 फीसदी कार्य 'ड्रोन मैपिंग' से पूरा हो चुका है, जिसमें 31 राज्य और केंद्रशासित प्रदेश शामिल हैं। सवाल उठता है क्या इस वक्त जो ड्रोन उड़ रहे हैं, वो इसी योजना का हिस्सा हैं? हालांकि अभी तक कोई तथ्यात्मक सच्चाई बाहर नहीं निकल पाई।प्रथम दृष्टया प्रशासन ने ड्रोन घटनाओं को अफवाह ही माना है। कहीं ड्रोन की घटनाओं के पीछे कोई ऐसी हकीकत तो नहीं छिपी जिसे शासन-प्रशासन और सुरक्षा महकमा सार्वजनिक न करना चाहता हो? राष्ट्र की सुरक्षा से जुड़ा तो कोई मसला नहीं? सच्चाई के असल नतीजों तक अभी कोई नहीं पहुंच पाया। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के अनेक जिलों में इस समय ड्रोन लुटेरों की ही चर्चाएं हैं।

धीरे-धीरे ये दहशत अब अन्य राज्यों में भी फैलती जा रही है। बिहार के सासाराम और मध्यप्रदेश के गुना जिले में भी ड्रोन उड़ते देखे गए हैं। अफवाहें हैं कि चोर रात्रि में घरों का ड्रोन से सर्वेक्षण करते हैं और अगली रात धावा बोलते हैं। एकाध घटनाएं घटी भी हैं, लेकिन उन घटनाओं से कोई हकीकत सिद्ध नहीं हुई। पुलिस-प्रशासन दोनों भी इस अनसुलझी पहेली में उलझे हुए हैं। प्रशासनिक स्तर पर ड्रोन की घटनाएं बेशक अफवाह बताई ।

कानपुर जेल से फरार कैदी असम भागा! पत्नी-रिश्तेदार हिरासत में

» जेल की दीवार फांदकर निकला, 250 से ज्यादा सीसी टीवी खंगाले गए, शहर में सुराग नहीं

» सुरक्षा लापरवाही पर जेलर समेत चार अफसर निलंबित, पुलिस टीमें असम रवाना

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। जाजमऊ तिवारीपुर निवासी हत्या के आरोप में बंद असरुद्दीन शुक्रवार शाम कानपुर जेल से फिल्मी अंदाज़ में फरार हो गया। वह बैरक नंबर-16 में कैद था और दोस्त सादिक की हत्या के मामले में सजा काट रहा था।

जांच में पता चला है कि असरुद्दीन भागकर अपने पैतृक राज्य असम पहुंचा हो सकता है। सुराग मिलने पर कोतवाली पुलिस की दो टीमें मंगलवार सुबह तक असम रवाना हो गईं।सूचना मिलते ही असम पुलिस ने असरुद्दीन की पत्नी और कई रिश्तेदारों को हिरासत में ले लिया है।

कोतवाली पुलिस वहां पहुंचकर उनसे पूछताछ करेगी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, असरुद्दीन मिलाई कक्ष के पास बने पुराने गोदाम की सीमेंटेड छत पर चढ़ा और पीछे की ओर कूदकर फरार हो गया। यह पूरा घटनाक्रम जेल के सीसीटीवी कैमरों में कैद हुआ, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को भनक तक नहीं लगी।

जेल से फरारी के बाद पुलिस ने शहर के 250 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले, सेंट्रल स्टेशन और झकरकटी बस अड्डे पर भी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

मामले में डीजी जेल प्रेमचंद मीणा ने सुरक्षा में चूक को गंभीर मानते हुए जेलर मनीष कुमार, डिप्टी जेलर रंजीत यादव, हेड वार्डन नवीन मिश्रा और वार्डन दिलशाद खान को निलंबित कर दिया है।

कानपुर में आस्था पर वार

अराजकों ने हनुमान प्रतिमा खंडित की, तनाव

» पीपलेश्वर मंदिर में देर रात ईंट से प्रहार, सुबह सड़क किनारे मिली क्षतिग्रस्त प्रतिमा

» हिन्दू संगठनों में आक्रोश, जीटी रोड जाम की तैयारी; पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। जीटी रोड पर स्थित ऐतिहासिक पीपलेश्वर हनुमान मंदिर में मंगलवार को तब हड़कंप मच गया, जब मंदिर की हनुमान प्रतिमा खंडित हालत में सड़क किनारे पड़ी मिली। मंदिर के पुजारी राहुल पंडित ने पूजन के लिए पहुंचकर देखा कि प्रतिमा अपने स्थान से गायब है और कुछ दूरी पर पीपल के वृक्ष के नीचे क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ी है। पास में ही ईंट पड़ी थी, जिससे प्रतिमा पर प्रहार किया गया था।

घटना की खबर फैलते ही स्थानीय लोग और हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर जुट गए। आक्रोशित भीड़ ने मंदिर परिसर में नारेबाजी शुरू कर दी और जीटी रोड जाम करने की तैयारी कर ली। प्रतिमा वर्षों से मंदिर में स्थापित थी और क्षेत्र के लोगों की गहरी आस्था का केंद्र रही है।

यहां हर दिन नियमित पूजा-अर्चना होती है और बड़ा मंगल, हनुमान जयंती जैसे अवसरों पर हजारों भक्त जुटते हैं। स्थानीय निवासी विजय ने बताया कि देर रात एक बजे के बाद अराजक तत्वों ने घटना को अंजाम दिया होगा।

सूचना मिलते ही क्षेत्रीय पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया।

पुलिस ने आसपास की दुकानों और गलियों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। मामले ने इलाके में तनाव का माहौल पैदा कर दिया है। प्रशासन किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर रहा है। वहीं हिन्दू संगठन प्रतिमा की पुनः स्थापना और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं।

अकोढ़ी में दंगल का दम, मेले में उमड़ा जनसैलाब

» रक्षाबंधन पर तीन दिवसीय दंगल का समापन, पहलवानों ने दिखाई ताकत

» महिलाओं ने की खरीदारी, बच्चों ने झूलों व पकवानों का उठाया आनंद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा क्षेत्र के अकोढ़ी गांव स्थित मां पातालेश्वर धाम में रक्षाबंधन के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय दंगल और चार दिवसीय मेले का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। अंतिम दिन दूर-दराज से आए नामी पहलवानों ने दमखम दिखाकर दर्शकों का दिल जीत लिया। आयोजन स्थल पर भारी भीड़ उमड़ी, जिससे माहौल उत्साह और जोश से भर गया।

हसनापुर के अली और इटावा के निशांत के बीच 1200 रुपये की कुश्ती में अली ने निशांत को चित्त कर जीत हासिल की। वहीं 800 रुपये की कुश्ती में फिरोजाबाद के अशोक ने अनवां के बौरा को पटखनी दी। कानपुर के गुड्डू और बहेरी के श्यामू के बीच हुई रोमांचक कुश्ती में गुड्डू ने बाजी मारी। पहलवानों के दांव-पेंच पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं।

मेले में महिलाओं और युवतियों ने खरीदारी का आनंद लिया,

जबकि बच्चों ने झूले, खिलौने और विभिन्न व्यंजनों का स्वाद चखा। पूरे मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे, जिससे लोग निश्चिंत होकर आयोजन का लुत्फ उठा सके।

ग्राम प्रधान मोहम्मद नफीस ने कहा कि ऐसे आयोजन आपसी भाईचारा और एकता के प्रतीक हैं,

इसलिए समय-समय पर इन्हें आयोजित करना जरूरी है। इस अवसर पर महंत अनमोल दास त्यागी, युवा नेता मलासा सचान, रेफरी फिरोज खान व शब्बीर खान, अंशु त्रिवेदी, राधे शुक्ला, शीलू कुशवाहा, रहीश, अश्वनी त्रिवेदी, कुशल पाल सिंह सेंगर, लिखिया मुंशी बड़े लल्ला, धर्मेंद्र संखवार, ब्रजेश बाल्मीकि, नमाजी इकबाल शाह समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

79वें स्वतंत्रता दिवस से पूर्व सीओडी कानपुर में भव्य तिरंगा साइकिल रैली निकाली

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। हैडक्वार्टर उत्तर भारत एरिया के निर्देशन में केंद्रीय आयुध भंडार (Central Ordnance Depot) कानपुर ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में भव्य तिरंगा साइकिल रैली का आयोजन किया।

रैली का शुभारंभ केंद्रीय आयुध भंडार के कमांडेंट ब्रिगेडियर दीपक ऋषि ने फ्लैग-ऑफ कर किया। उत्साह और देशभक्ति के माहौल में प्रतिभागियों ने तिरंगे के साथ साइकिल चलाते हुए वंदे मातरम् और भारत माता की जय के नारों से वातावरण गूंजा दिया।

रैली का मार्ग कैंटोन्मेंट क्षेत्र के रिहायशी इलाकों, केंद्रीय आयुध भंडार परिसर और सीओडी नर्सरी स्कूल से होकर गुज़रा। रास्ते में स्थानीय लोगों ने तिरंगा लहराकर प्रतिभागियों का स्वागत किया।

अधिकारियों, सैनिकों, कर्मचारियों और उनके परिवारों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस की भावना जन-जन तक पहुँचाना, पर्यावरण संरक्षण और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।अधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजन सैनिकों और नागरिकों के बीच देशभक्ति की भावना को मजबूत करने के साथ-साथ सामुदायिक एकता को भी प्रोत्साहित करते हैं।

किताब में जातिसूचक शब्द देखकर शिक्षक-प्रधानाचार्या परिवार ने छात्र को पीटा

» मां और बहनों के साथ भी की मारपीट, जातिसूचक शब्दों का किया इस्तेमाल

» पीड़िता ने भोगनीपुर थाने में SC/ST एक्ट में दर्ज कराया मुकदमा

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के गौर गांव स्थित यम मेमोरियल कॉन्वेंट स्कूल में मंगलवार को जातिसूचक टिप्पणी को लेकर बड़ा बवाल हो गया। कक्षा 10 के छात्र शिवा को उसकी किताब में जातिसूचक शब्द लिखा देखकर शिक्षक ओमकार ने पीट दिया।

पीड़ित की मां सुमन, निवासी अमिलिया सराय, थाना मूसानगर, ने बताया कि बेटे की पिटाई की सूचना मिलने पर वह अपनी बेटियों आरती और ज्योति के साथ स्कूल पहुंची, जहां शिक्षक ओमकार के साथ प्रधानाचार्य की पत्नी, बेटी जया और पुत्र अनुकूल ने भी उन पर हमला कर दिया। इस दौरान जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए जमकर मारपीट की गई। सुमन ने भोगनीपुर थाने में मारपीट और अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है और दोषियों पर कार्रवाई होगी।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

» परिजनों में कोहराम, मां-बाप और भाई-बहनों का रो-रोकर बुरा हाल

» पुलिस ने शव कब्जे में लेकर शुरू की जांच, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के सराय गढ़ेवा गांव में मंगलवार रात एक 20 वर्षीय युवक ने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

घटना की जानकारी होते ही घर में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में लिया और फोरेंसिक टीम के साथ जांच शुरू की।

मृतक की पहचान शिवा पुत्र गयारी के रूप में हुई है, जो चंडीगढ़ में प्राइवेट नौकरी करता था। करीब एक माह पहले ही वह गांव लौटा था और तब से तनाव में बताया जा रहा था। मंगलवार रात उसने कमरे में छत के कुंडे से लटककर जान दे दी।

बुधवार सुबह घटना का पता चलते ही मां ममता बदहवास हो गईं, जबकि बहनें सौम्या, रागिनी और नेहा तथा भाई अमरीश और अवधेश का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।सूचना पर पहुंचे एसआई चैन पाल ने परिजनों से पूछताछ की, जबकि फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। प्रभारी एसओ रूरा अमित शुक्ला ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

रेल पटरी पर मिला महिला का रक्तरंजित शव, हत्या या आत्महत्या?

» मालगाड़ी चालक ने देखी लाश, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शुरू की जांच

» हत्या के बाद शव फेंके जाने की आशंका, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव के पास मंगलवार रात एक महिला का रक्तरंजित शव डीएफसीसी लाइन के डाउन ट्रैक पर पड़ा मिला। यह ट्रैक भाऊपुर से खुर्जा की ओर जाता है। खंभा नंबर 533/26 के पास शव को देखकर डाउन ट्रैक पर आ रही मालगाड़ी के चालक सुरेश चंद्र मीणा ने तुरंत न्यू भाऊपुर स्टेशन पर सूचना दी।

सूचना मिलते ही सिठमरा चौकी प्रभारी राजनीश वर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और प्राथमिक जांच शुरू की। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने आशंका जताई कि महिला की हत्या के बाद शव को रेल पटरी पर फेंका गया है।

वहीं पुलिस प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या भी मान रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मृतका की पहचान के प्रयास में जुटी है और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों और घटना की वास्तविकता का खुलासा हो सकेगा।

ट्रैफिक पुलिस नदारद, मनमानी कर रहे वाहन चालक

» मुख्यालय से कुछ कदम की दूरी पर भी नहीं चलता ट्रैफिक पुलिस का डर

» जाम और दुर्घटनाओं से रोज परेशान राहगीर, ठोस कार्रवाई नदारद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। माती मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित नवीपुर मुख्य चौराहे पर ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। बस, ऑटो और ई-रिक्शा चालक मनमानी तरीके से बीच सड़क पर वाहन खड़े कर सवारियां भरते हैं, जिससे दिन में कई बार जाम की स्थिति बन जाती है। यह चौराहा घाटमपुर, मूसानगर, सरवनखेड़ा और फतेहपुर मार्ग को जोड़ने वाला व्यस्ततम स्थान है, जहां रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं।बस स्टैंड न होने के कारण बस चालक कहीं भी वाहन रोक देते हैं, वहीं ऑटो और ई-रिक्शा चालकों ने तो मानो सड़क पर स्थायी कब्जा कर रखा है। ट्रैफिक पुलिस की सख्ती और ठोस कार्रवाई के अभाव में यह समस्या लगातार बढ़ रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्रैफिक पुलिस सिर्फ खानापूर्ति करती है। कुछ दिन नियंत्रण के बाद हालात फिर जस के तस हो जाते हैं। अव्यवस्थित पार्किंग और लापरवाह चालकों के कारण राहगीरों को न केवल जाम से जूझना पड़ता है, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी हर समय बना रहता है। प्रशासन की उदासीनता ने समस्या को और गंभीर बना दिया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

नोएडा में वरिष्ठ आईएएस पर महिला कर्मचारियों का गंभीर आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित राज्य कर विभाग में तैनात एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पर महिला कर्मचारियों ने उत्पीड़न और शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। सीधा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर की गई शिकायत के बाद शासन ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

- **महिला कर्मचारियों के आरोप हैं कि कमरे में बुलाकर घूरते हैं और रात में वीडियो कॉल करते हैं**
- **योगी शासन ने दिए जांच के आदेश**
- **गाली, धमकी और मानसिक प्रताड़ना के आरोप**

पीड़ित महिलाओं ने आरोप लगाया कि अधिकारी लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है, गाली-गलौच करता है और धमकी देता है कि बात नहीं मानी तो नौकरी से निकाल देगा। शिकायत के मुताबिक, अधिकारी अपने कमरे में घंटों खड़ा रखता है, घूरता है, रात में वीडियो कॉल करता है और छिपकर वीडियो रिकॉर्डिंग करने तक के आरोप लगे हैं।

विरोध करने पर उन्हें फर्जी मामलों में फंसाने और निलंबित करने की धमकी दी जाती है। महिलाओं का कहना है कि यह उत्पीड़न बीते चार महीनों से लगातार चल रहा है। आरोपी अधिकारी का कथित बयान भी सामने आया—मेरी बात नहीं मानोगी तो नौकरी छीन लूंगा, कटोरा पकड़वा दूंगा।

स्वतंत्र जांच की मांग

शिकायत 5 अगस्त को सौंपी गई थी, जिसमें पीड़ितों ने किसी स्वतंत्र जांच एजेंसी या राज्य महिला आयोग से गोपनीय जांच की मांग की है। शासन ने इस पर तुरंत संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश जारी कर दिए हैं।गौरतलब है कि इससे पहले भी राज्य कर विभाग के सात अधिकारियों को महिला उत्पीड़न समेत अन्य आरोपों में सस्पेंड किया जा चुका है।

ताजा मामला सामने आने के बाद विभाग में एक बार फिर हड़कंप मच गया है।

सीडीओ के नेतृत्व में अयोध्या में निकली तिरंगा यात्रा

» समाज कल्याण विभाग ने दिया नशा मुक्ति का संदेश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनज़र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाने के लिए आज अयोध्या विकास भवन से एक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह के नेतृत्व में निकली इस यात्रा में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया और देशभक्ति का जज्बा प्रदर्शित किया।

यात्रा के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी रणविजय सिंह के नेतृत्व में समाज कल्याण विभाग के कर्मचारियों ने नशा मुक्ति का संदेश भी प्रसारित किया। लोगों से नशे से दूर रहकर स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने की अपील की गई। यह यात्रा विकास भवन से शुरू होकर सर्किट हाउस तक निकाली गई। इस दौरान जिला विकास अधिकारी महेंद्र देव पांडेय आदि रहे।

बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आघू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333
हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

सीएम योगी ने किया 'हर घर तिरंगा' अभियान का शुभारंभ

» भारत मां के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गई

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को 'हर घर तिरंगा' अभियान (13-15 अगस्त) का शुभारंभ करते हुए लखनऊ की सड़कों पर भव्य तिरंगा यात्रा का नेतृत्व किया। युवाओं, स्कूली बच्चों, एनसीसी कैडेट्स और जनप्रतिनिधियों संग 'भारत मां की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों के बीच मुख्यमंत्री ने तिरंगा हाथ में लेकर पैदल मार्च किया और सेल्फी विद तिरंगा ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरंगा यात्रा सिर्फ यात्रा नहीं, बल्कि भारत मां, महापुरुषों, क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के प्रति कृतज्ञता का भाव है। आजादी के अमृतकाल में हर भारतीय के मन में संविधान, राष्ट्रीय प्रतीकों और देश के प्रति सम्मान और प्रगाढ़ होना चाहिए।सीएम योगी ने अपील की कि हर गांव, नगर और शहर में तिरंगा यात्रा के माध्यम से देशभक्ति का संदेश पहुंचे और तिरंगा हर घर में लहराया जाए, क्योंकि यह देश और सैनिकों के सम्मान, आन-बान-शान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरा देश इस अभियान से जुड़ रहा है।

भारत के शौर्य पर दुनिया अचंभित

सीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत के शौर्य, पराक्रम और सामर्थ्य को पूरी दुनिया ने देखा है। ऐसे समय में हर भारतीय का कर्तव्य है कि भारत का सम्मान ऊंचा बनाए रखें और समाज को बांटने वाले तत्वों को बेनकाब करें।

विकसित व आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश का संकल्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 2047 तक 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' का जो लक्ष्य रखा गया है, उसके साथ जुड़कर हम 'विकसित उत्तर प्रदेश-आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' को जीवन का मंत्र बनाएंगे।

भव्य तिरंगा यात्रा का माहौल

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, कपिलदेव अग्रवाल, विधायक नीरज बोरा, जया देवी, विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।लखनऊ की सड़कों पर यात्रा के दौरान माहौल ऐसा था मानो पूरा भारत तिरंगे के रंग में रंग गया हो।

पौराणिक गाथा **फिल्म समीक्षा**

महावतार नरसिम्हा - छोटे बजट में बड़ा धमाका

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। साउथ की एनिमेटेड फिल्म महावतार नरसिम्हा ने इस वक्त बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रखा है। 4 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने अपने विजुअल इफेक्ट्स, दमदार कहानी और भावनात्मक प्रस्तुति से दर्शकों को खूब बांधे रखा है।

शुरुआत में फिल्म की ओपनिंग धीमी रही और पहले दिन मात्र 1.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। लेकिन जैसे-जैसे वर्ड ऑफ माउथ फैला, कलेक्शन ने रफ्तार पकड़ ली। 17 दिनों में भारत में फिल्म ने 168.65 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, जबकि वर्ल्डवाइड कलेक्शन 16 दिनों में 182.75 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

कहानी में पौराणिक गाथा और आधुनिक एनीमेशन का संगम देखने को मिलता है, जो बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को जोड़ता है। बैकग्राउंड म्यूजिक और डायलॉग डिलीवरी फिल्म को भावनात्मक ऊंचाई देते हैं, वहीं एक्शन सीक्वेंस और भव्य विजुअल्स इसे सिनेमाई अनुभव में बदल देते हैं।

तीसरे वीकेंड में 50.50 करोड़ रुपये की कमाई कर फिल्म ने साबित कर दिया कि अगर कंटेंट दमदार हो तो बड़ा बजट जरूरी नहीं। आने वाले दिनों में रजनीकांत की कुली और ऋतिक रोशन की वॉर 2 से कड़ी टक्कर मिलने वाली है, लेकिन फिलहाल महावतार नरसिम्हा बॉक्स ऑफिस पर बिना किसी चुनौती के राज कर रही है।

फिल्म का फैसला

पौराणिक कहानी और शानदार एनीमेशन का बेजोड़ संगम।

अगर चाहो तो मैं इसके साथ एक छोटा-सा फ्बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट कार्डफ् ग्राफिक भी बना सकता हूँ जो खबर के साथ लगेगा और इसे और असरदार बना देगा।

समस्या

(कागज़ी चमक, जमीनी सड़ांध)

अयोध्या की नवीन मंडी में खुली स्वच्छता मिशन की पोल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अगर स्वच्छ भारत मिशन की 28वीं रैंक यही है तो भगवान बचाए नंबर 100 वालों को! नाका स्थित नवीन सब्जी मंडी में कदम रखते ही यह लाइन अपने आप दिमाग में कौंध जाती है। यहां का नजारा सरकारी दावों की ऐसी धुलाई करता है कि कागजों में मिली चमचमाती रैंकिंग भी गटर में बहती नजर आती है।मंडी के गेट से अंदर घुसते ही दोनों ओर कचरे के ढेर आपका स्वागत करते हैं। नालियां महीनों से जाम, दुकानों के सामने बदबूदार पानी का तालाब और उसमें तैरते कीड़े-मकोड़े। पैदल गुजरना हो तो नाक पर कपड़ा बांधना अनिवार्य है।

देश में 28वीं रैंक, लेकिन नाका की नवीन सब्जी मंडी में महीनों से न सफाई न सुनवाई कूड़े के पहाड़ और बदबू ने जीना किया दूभर, प्रशासन मीटिंग में व्यस्त

» नगर निगम और मंडी समिति अधिकारियों के लापरवाही चलते बीमारियों की आशंका बनी हुई है

कूड़े का पहाड़, मोहल्लों तक असर

मंडी के पिछले हिस्से में करीब एक एकड़ में फैला कचरे का पहाड़ बदबू का अड्डा बना है। यहां की सड़ांध मंडी से सटे मोहल्लों तक घरों में घुस जाती है। खिड़कियां बंद रखने पर भी बदबू अंदर पहुंचती है।

दुकानदार परेशान, ग्राहक गायब

फल-सब्जी बेचने वालों का कहना हैमक्खियां माल पर बैठती हैं, ग्राहक मुंह मोड़ लेते हैं।

दो माह से दुकानों के सामने गंदा पानी भरा है, लेकिन सफाई कर्मचारी झाड़ू तक नहीं लगाते। कारोबार घट रहा है, नुकसान बढ़ रहा है।

स्थानीय लोग बताते हैं कि गंदगी और मच्छरों से बच्चों में सांस की समस्या और बुखार बढ़ रहा है।

रात में नींद हराम, दिन में कारोबार ठप जब मंडी समिति के जिम्मेदारों से पूछा गया तो जवाब मिला साहब मीटिंग में हैं। समिति अध्यक्ष मो. सद्दन ने माना कि समस्याएं गंभीर हैं और उच्चाधिकारियों को कई बार बताया गया, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ।

28वीं रैंक- किसके लिए?

अयोध्या की स्वच्छता रैंकिंग तभी सार्थक होगी, जब जमीन पर भी शहर साफ हो। फिलहाल तो नंबर कागजों में चमक रहे हैं और जमीनी हकीकत गंदगी में डूबी है। सवाल वही है—क्या ये मिशन सफाई का हैज या सिर्फ रिपोर्ट चमकाने का?

रूसी तेल खरीदने पर चीन पर क्यों नहीं लगाई पेनल्टी?

जेडी वेंस बोले-उसकी बात अलग है, ट्रंप नहीं चाहते...

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। रूस से तेल खरीदने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 परसेंट पेनल्टी का ऐलान कर दिया, लेकिन चीन को लेकर उनका रुख एकदम अलग नजर आ रहा है, जबकि वह भी रूस से तेल खरीद रहा है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का कहना है कि चीन पर शुल्क लगाने को लेकर ट्रंप ने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया है।

पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने को लेकर चीन पर शुल्क लगाने के बारे में अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। उनका कहना है कि चीन के साथ अमेरिका के संबंध ऐसी कई चीजों को प्रभावित करते हैं जिनका रूसी स्थिति से कोई लेना-देना नहीं है।

जेडी वेंस ने फॉक्स न्यूज संडे से कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि वह इस बारे में सोच रहे हैं लेकिन उन्होंने अभी तक कोई ठोस फैसला नहीं लिया है।' जेडी वेंस से पूछा गया था कि ट्रंप भारत जैसे देशों पर रूसी तेल खरीदने के लिए भारी शुल्क लगा रहे हैं तो क्या अमेरिका चीन पर भी इसी तरह के शुल्क लगाएगा क्योंकि चीन भी रूस से तेल खरीदता है।

इस सवाल के जवाब में जेडी वेंस ने कहा, 'जाहिर है कि चीन का मुद्दा थोड़ा अधिक जटिल है क्योंकि चीन के साथ हमारे रिश्ते कई ऐसी अन्य चीजों को प्रभावित करते हैं जिनका रूसी स्थिति से कोई लेना-देना नहीं है।' उन्होंने कहा कि ट्रंप अपने विकल्पों की समीक्षा कर रहे हैं और निश्चित रूप से वह उचित समय पर इस पर निर्णय लेंगे।

अमेरिका ने शुरुआत में भारत पर 25 प्रतिशत का टैरिफलगाया था। इसके बाद ट्रंप ने रूसी तेल की खरीद के लिए पिछले हफ्ते 25 प्रतिशत की पेनल्टी और लगा दी, जिससे भारत पर कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया। यह दुनिया में किसी भी देश पर अमेरिका की ओर से लगाए गए सबसे अधिक शुल्कों में से एक है। अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क 27 अगस्त से लागू होगा। भारत ने अमेरिका के इस कदम को अनुचित और अविवेकपूर्ण बताया है।

'प्रियंका गांधी या राहुल गांधी मेरे कौन होते हैं?'

टी-शर्ट पर छपी तस्वीर पर भड़कीं मिंता देवी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पटना। एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी सहित विपक्षी दल के अन्य सांसदों ने मंगलवार (12 अगस्त, 2025) को जो टी-शर्ट पहनी थी उस पर बिहार के सीवान की रहने वाली मिंता देवी की तस्वीर छपी थी। अब इस पर मिंता देवी की प्रतिक्रिया सामने आई है। वे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर जमकर बरसीं। कहा कि प्रियंका गांधी या राहुल गांधी मेरे कौन होते हैं? उनको अधिकार किसने दिया?

» प्रदर्शन में प्रियंका गांधी समेत अन्य सांसदों ने मिंता देवी की छपी तस्वीर वाली टीशर्ट पहनी थी

मिंता देवी ने कहा कि मुझे दो-चार दिन पहले पता चला कि मैं 125 साल की हो गई हूं। मैं क्या दिख रही हूं ये मीडिया वालों को भी तो बताना चाहिए कि कितनी उम्र की हूं? क्या दिख रही हूं? वो (विपक्षी दल के सांसद) मेरे कौन होते हैं? मेरी तस्वीर वाली टी-शर्ट क्यों पहनी? अधिकार किसने दिया?

जिसने गलती की उनसे हो सवाल

मिंता देवी ने आगे कहा, मेरी उम्र बढ़ाने के लिए किसने कहा? जो किया होगा उसको पता नहीं है? मेरे पास किसी का फोन नहीं आया। मिंता देवी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वे सरकार को बताना चाहती हैं कि जो भी ये काम हुआ है उसके लिए वो जिम्मेदार नहीं हैं। जिसने भी गलती की है उनसे ही सवाल किया जाए।

'वो बहुत निचले स्तर की, उन पर बात करना समय की बर्बादी'

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने बोला ताजा हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो सांसदों के बीच मचा घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। सांसद कल्याण बनर्जी ने अपनी ही पार्टी की सांसद महुआ मोइत्रा पर एक बार फिर निशाना साधा है। उन्होंने महुआ मोइत्रा को निचले स्तर और समय की बर्बादी तक कह डाला। उनके इस बयान से दोनों नेताओं के बीच लंबे समय से चल रही तकरार के और बढ़ने की संभावना है।

चार बार के सांसद हैं कल्याण बनर्जी : चार बार सांसद रहे कल्याण बनर्जी ने हाल ही में अंदरूनी कलह के संकेतों के बीच लोकसभा में तृणमूल के चीफ व्हिप पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने यह भी दावा किया कि महुआ मोइत्रा की वजह से कई पार्टी सहयोगियों को वो बुरे इंसान लगे। उन्होंने यह भी कहा कि महुआ मोइत्रा उनके समय और ध्यान के लायक नहीं हैं। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र श्रीरामपुर में पत्रकारों से कहा कि वह महिला (महुआ मोइत्रा) मेरे विषय का विषय नहीं है.. वह बहुत निम्न स्तर की हैं। उनके बारे में चर्चा करने का कोई मतलब नहीं है। उनकी वजह से मैं कई लोगों के लिए बुरा बन गया हूं।

महुआ के लिए क्या बोले कल्याण? : उन्होंने कहा कि यह समय की बर्बादी थी। मैंने अपनी ऊर्जा बर्बाद की। वह मेरे ध्यान के लायक नहीं हैं। यह मेरी गलती थी कि मैंने उन पर ध्यान दिया।

चौंकाने वाले खुलासे

बाप-बेटे चला रहे थे ठगी का नेटवर्क

नोएडा में फर्जी 'इंटरनेशनल पुलिस स्टेशन'

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नोएडा। इंटरनेशनल पुलिस एंड क्राइम इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (आइपीसीआइबी) नाम से सेक्टर 70 में फर्जी दफ्तर खोलने वाला सरगना बिभास चंद्र अधिकारी और बेटा अराग्य नेशनल ब्यूरो ऑफ सोशल इन्वेस्टिगेशन एंड सोशल जस्टिस (एनबीएसआइएसजे) के नाम से समानांतर फर्जी इंटरनेशनल कानून प्रवर्तन संगठन चला रहे थे। संगठन की वेबसाइट पर एक-दूसरे को मान्यता देकर लोगों को ठग रहे थे। अभी कितने लोगों से ठगी की है और कितनी रकम वसूली है। पुलिस इसका पता लगाने में जुटी है।

कौन है बिभास अधिकारी? : बिभाष पूर्व टीएमसी नेता, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष, डिग्री कॉलेज संचालक, बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले का आरोपित व ठाकुर अनुकूल चंद्र सत्संग मिशन साधनपीठ ट्रस्ट का अध्यक्ष भी है। बिभाष मवेशी तस्करी में आरोपित बीरभूम के तृणमूल नेता अनुब्रत मंडल का करीबी माना जाता था। मिली जानकारी के मुताबिक, खादी की आड़ में बिभाष कोलकाता व वीरभूम में बीएड और डीएलएड कालेज का संचालन कर रहा है। 2023 में शिक्षक भर्ती घोटाले में उसने दलाल की भूमिका निभाई थी।

सीबीआई व ईडी की जांच में उसका भी नाम सामने आया था। मामला शांत होने पर एलएलबी पास बेटे अराग्य को साथ लेकर फर्जी इंटरनेशनल कानून प्रवर्तन संगठन की आड़ में काम करने लगे। लोगों को ठगने की योजना बनाई। एसीपी वर्णिका सिंह ने बताया कि दोनों ने तीन-चार साल पहले ही विदेशी पुलिस और सामाजिक न्याय से मिलते झुलते दो संगठन आइपीसीआइबी व एनबीएसआइएसजे बनाए।

दोनों ने वेबसाइट को एक-दूसरे संगठन का लोगो लगाकर मान्यता दी। जहां बिभाष विदेश व पुलिस से जुड़े काम कराता था। वहीं बेटा वेबसाइट के माध्यम से लोगों की शिकायत लेकर न्याय दिलाने का दावा करता था।